DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI JAWHAR SIRCAR (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI PHULO DEVI NETAM (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRIMATI SULATA DEO (Odisha): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to highlight start-up revolution generating employment for youth of the country

श्रीमती संगीता यादव (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, स्टार्टअप के द्वारा कैसे युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर खुल रहे हैं और किस तरह से हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। इन स्टार्टअप्स में महिलाओं के लिए और क्या किया जाए, इस पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

महोदय, स्टार्टअप एक नवाचार और उद्यमशीलता का पुनर्जागरण है। यह युवाओं की एक नई सोच है, जिसने यह बताया कि हम रोज़गार मांगेंगे नहीं, रोज़गार देंगे।

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

पहले हम लोग सुनते थे कि दरवाज़े पर अवसर की जो आहट होती है, उसको बहुत ध्यान से सुनना चाहिए, लेकिन स्टार्टअप ने यह बताया है कि यदि आप आहट न सुन पाएं, तो नया दरवाज़ा ही बना लें। स्टार्टअप एक प्लैटफॉर्म है, जो युवाओं की उद्यमिता को आगे बढ़ाने के रूप में कार्य करता है। यह एक चुनौती भी है, जो उद्यमियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और एक समस्या को हल करने में मदद करती है। स्टार्टअप एक सहायता है, जो नए उद्यमियों को उनके शुरुआती दौर में बुनियादी सहयोग प्रदान करता है - चाहे वह फाइनेंशियल हो या मैनपावर हो। आज भी जब हम रितेश अग्रवाल, ओयो के संस्थापक, विजय शेखर शर्मा, पेटीएम के संस्थापक, बायजू के संस्थापक, बायजू रविंद्रन को ग्लोबल इकोनॉमिक फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सुनते हैं, तो लोगों के दिल में गर्व की भावना पैदा होती है और हर भारतीय यह चाहता है कि इस सूची में अगला नाम मेरा भी हो।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कुछ अधिकारिक आंकड़ों के बारे में सदन को बताना चाहूंगी। वर्ष 2014 में भारत में 70 हज़ार ट्रेड मार्क पंजीकृत किए गए थे, 2020 में ढाई लाख से अधिक ट्रेड मार्क पंजीकृत किए गए हैं। 2015 में वर्ल्ड इनोवेशन में भारत 81वें स्थान पर था, अब यह 46वें पर है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि भारत अभी लर्निंग मोड पर है, लेकिन उसके बावजूद भी भारत 2016 में महज 500 स्टार्टअप्स से बढ़कर 2021 में 61 हज़ार स्टार्टअप्स तक पहुंच गया है, जो 55 क्षेत्रों और 635 जिलों में फैला हुआ है। चूंकि मैं एक महिला सांसद हूं, तो महिलाओं के स्टार्टअप के बारे में सदन को कुछ अवगत कराना चाहूंगी और उनकी मांग भी रखना चाहूंगी। महिलाओं के लिए स्टार्टअप और उद्यमिता के आंकड़ों से अवगत कराना चाहूंगी कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 14 परसेंट व्यवसाय महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जाते हैं। जब उन्होंने इसकी शुरुआत की थी, तब लगभग 58 परसेंट महिला उद्यमियों की उम्र तो मात्र 20 और 30 वर्ष के बीच थी। उसमें से लगभग 73 परसेंट एक वित्तीय वर्ष में 10 लाख रुपये के राजस्व की रिपोर्ट भी कर रही हैं। इनमें से 57 परसेंट महिलाओं ने अकेले यानी बिना किसी अन्य सदस्य के काम की शुरुआत की है और 35 परसेंट महिलाओं के सहस्थापक हैं। ...**(समय की घंटी)**... मैं एक लाइन कहना चाहूंगी। जो लोग रोज़गार के बारे में कहते रहते हैं, उसमें एक कविता कहकर अपनी बात समाप्त करूंगी। रोज़गार बहुत ज्यादा हैं...

श्री उपसभापति: आपका समय खत्म हो गया है। अब रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री उपसभापति: श्री अजय प्रताप सिंह। आपके पास एक मिनट का समय है।

Persons affected due to delay in Rewa-Sidhi-Singrauli railway line project

श्री अजय प्रताप सिंह (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, रेवा-सिधी-सिंगरौली में जो रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है, उसमें भूअर्जन का काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। 12 सालों से रेल लाइन का निर्माण हो रहा है, लेकिन अभी तक एक भी गांव में शत-प्रतिशत रूप से भूअर्जन का कार्य पूरा नहीं हुआ है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि किसी कमिश्नर लेवल के अधिकारी की नियुक्ति करके इसकी मॉनीटरिंग कराए। रेल विभाग ने 11.11.2019 को एक आदेश जारी करके इसके प्रभावितों को नौकरी देने से इंकार कर दिया है। यह ब्रीच ऑफ ट्रस्ट है। मेरा आग्रह कि 11.11.2019 से पूर्व जिनकी जमीनें ली गई हैं, उनको नौकरी दी जाए। जिनका मेडिकल हो चुका है और सारे डॉक्युमेंट्स जमा हो गए हैं, उनकी पदस्थापना की जाए।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.